E-mail

राजस्थान–सरकार
शिक्षा (ग्रुप–6) विभाग

क्रमांक : पं. 24(38)शिक्षा–6/2017 जयपुर, दिनांक 22.09.17

1. निदेशक,
माध्यमिक/प्रारम्भिक शिक्षा,
राजस्थान, बीकानेर।

2. उप निदेशक,
माध्यमिक/प्रारम्भिक शिक्षा,
संभाग भरतपुर/जयपुर।

विषय :– जल स्वावलम्बन अभियान के लिए रैली फॉर रिवर के संबंध में।
सन्दर्भ :– इस विभाग का समसंख्यक पत्र दिनांक 14.09.2017.

महोदय,

विषयान्तर्गत सन्दर्भित पत्र के क्रम में निवेदन है कि ईशा फाउण्डेशन द्वारा देश भर में नदियों/जलाशयों के संरक्षण हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें देश की सभी नदियों, जलाशयों का संरक्षण करने, जागरूकता पेदा करने और लोगों को प्रेरित किया जाना है। राजस्थान में भी इसी प्रकार जल स्वावलम्बन अभियान चलाया जा रहा है। यह हमारा बड़ा सौभाग्य है कि नदी अभियान में राजस्थान भी प्रत्यक्ष भागीदार हो रहा है। हम सब जानते हैं कि हमारी पृथ्वी का 2/3 हिस्सा पानी है लेकिन समुद्र का वो सारा पानी हमारे पीने लायक नहीं है। इस पानी का 0.5 प्रतिशत से भी कम हिस्सा पीने लायक है। और वह हमें अधिकतर नदियों, तालाबों या झीलों में मिलता है। गत 20–25 वर्षों में बावड़ियां और तालाब सूखते जा रहे हैं।

इस क्रम में सन्दर्भित पत्रानुसार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही रैली फॉर रिवर का आगमन राज्य में दिनांक 27.09.2017 को भरतपुर में रैली के प्रवेश के दौरान 500 विद्यालयी छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करें एवं दिनांक 28.09.2017 को JECC, Sitapura, Jaipur में आयोज्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान 3000 विद्यालयी छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

इससे पूर्व दिनांक 26.09.2017 (पूर्व निर्धारित तिथि 02.10.2017 के स्थान पर) को संकल्प दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। इसमें सभी विद्यार्थीगण, शिक्षकगण अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। साथ ही कार्यक्रम में शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यगण तथा विद्यार्थियों के अभिभावकों से भी इस कार्यक्रम में उपस्थित होने का अनुरोध किया जावे। इसमें प्रदेश के सभी विद्यार्थियों में नदी एवं जलाशयों के प्रति जागरूकता की भावना जागृत करने की दृष्टि से विद्यालयों की विशेष एसेम्बली में विशेष शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया जावे एवं नदियों व जलाशयों के संरक्षण के बारे में जानकारी दें तथा संरक्षण हेतु निम्न प्रारूप में शपथ दिलाऐं :–

www.rajteachers.com

(1) विशेष एसेम्बली/प्रार्थना–सभा का आयोजन कर शपथ दिलाई जाये।
मैं यह प्रण लेता हूँ कि
" अपनी नदियों को बचाने के लिये
जो भी कदम उठाने की जरूरत है
उन्हें जरूर लूंगा
और अपनी नदियों, अपने कुओं व जलाशयों का संरक्षण हमेशा करूंगा। "

(2) विशेष एसेम्बली/प्रर्थना–सभा में विद्यालय के प्रधानाचार्य इस अभियान के बारे में संक्षिप्त जानकारी दें (संक्षिप्त विवरण संलग्न है) (परिशिष्ट "ए")।

(3) ईशा फाउंडेशन से प्राप्त ओडियो/विडियो संदेश का, यदि सुविधा उपलब्ध हो तो, प्रसारण किया जाए।

(4) शपथ लेने वाले बच्चों की संख्या विभागीय वेबसाईट http://education.rajasthan.gov.in ईशा फाण्डेशन की ई–मेल आई.डी. arundhati.rajesh@ishafoundation.org पर उसी दिन अपलोड (Upload) करें, यह अनिवार्य है।

अतः तद्नुसार दिनांक 26.09.2017 को विद्यालयों में विशेष शपथ कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करने हेतु राज्य के समस्त जिला शिक्षाधिकारियों/ब्लॉक शिक्षाधिकारियों को अपने स्तर पर निर्देशित करते हुए अवगत करावें।
संलग्न परिशिष्ट "ए"

(सुनील कुमार शर्मा)
संयुक्त शासन सचिव

प्रतिलिपि :– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है –
1. विशिष्ठ सहायक, माननीय शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राजस्थान, जयपुर।
2. अतिरिक्त निदेशक (आई.डब्ल्यु.एम.पी.) ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, जयपुर।
3. जिला शिक्षाधिकारी, माध्यमिक/प्रारम्भिक संभाग जयपुर/भरतपुर को पालनार्थ।

(सत्यनारायण शर्मा)
सहायक शासन सचिव

www.rajteachers.com

परिशिष्ट – 'ए'

भारत में नदियों का करीब चालीस प्रतिशत पानी सूख चुका है, जिन नदियों में पूरे साल पानी बहा करता था, अब उनमें सिर्फ बारिश के मौसम में पानी बहता है।

अगले तेरह सालों में, हमें अपनी जरूरत का सिर्फ पचास प्रतिशत पानी मिलेगा। यानी अगर आप दिन में दस गिलास पानी पीते हैं, तो आपको केवल पांच गिलास पानी से ही काम चलाना पडेगा।

नदियों को बचाने के लिए नदियों के दोनों तरफ, कम से कम एक किलोमीटर की चौड़ाई में पेड़ होने चाहिएं।

लोग सोचते हैं कि पानी के कारण पेड़ हैं, नहीं, पेड़ों के कारण पानी है। अगर पेड़ होंगे, तो हमारी नदियों में भरपूर पानी होगा।

पानी पीने वाले हर इंसान को 'नदी अभियान' में शामिल होना होगा। हमें नदी अभियान के समर्थक के रूप में जो करने की जरूरत है – वह है 8000980009 पर मिस्ड कॉल देना।

क्या आप लोग अपने माता–पिता को ऐसा करने को कहेंगे ? और दूसरे लोगों को भी, जो पानी पीते हैं।

आइए हम सब एक साथ बोलें – 'हम .... (स्कूल का नाम) स्कूल के छात्र नदी अभियान का समर्थन करते हैं।

www.rajteachers.com

शपथ

मैं यह प्रण लेता हूँ कि
" अपनी नदियों को बचाने के लिये
जो भी कदम उठाने की जरूरत है
उन्हें जरूर लूंगा
और अपनी नदियों, अपने कुओं व
जलाशयों का संरक्षण हमेशा करूंगा। "

www.rajteachers.com